होशे

1 यहूदा के राजा उज्जियाह, योताम, आहाज और हिजकिय्याह के समय में और इस्राएल के राजा योआश के बेटे यारोबाम के समय में, प्रभु का संदेश बेरी के बेटे होशे को मिला। 2 जब प्रभु याहवे ने होशे के द्वारा पहिले पहल बातें की, तब उसने होशे से यह कहा, "जाओ और एक यौन व्यापार वाली महिला को अपनी पत्नी बना लो उसके अनुचित काम से जो बच्चे पैदा हुए, तुम उनके पिता बन जाओ, क्योंकि यह देश प्रभु याहवे का भजन-कीर्तन करने के बजाए दूसरे देवी-देवताओं की आराधना (वेश्यागमन) करता है। 3 इसलिए होशे ने जाकर दिवलैम की बेटी गोमेर को अपनी पत्नी बना लिया। होशे से गर्भवती होने के बाद उसके एक बेटा हुआ। 4 तब प्रभु बोले, "बच्चे का नाम यिज्रेल रखना, क्योंकि कुछ ही समय में मैं येहू के घराने को यिज्रेल की हत्या की सज़ा दूँगा और इस्राएल के घराने का अंत भी। 5 और उस समय मैं यिज्रेल की घाटी में इस्राएल के धनुष को तोड़ूँगा। 6 उसके बाद गोमेर को बेटी हुई। प्रभु ने उसका नाम लोरुहामा रखने को कहा; क्योंकि उन्होंने इस्राएल के किसी गुनाह को माफ न करने का फैसला लिया। 7 प्रभु ने कहा कि वह यहूदा के घराने पर दया करेंगे और उनको मुक्त भी करेंगे। उनकी मुक्ति धनुष या तलवार या युद्ध या घोड़ों या सवारों के द्वारा नही, लेकिन मेरे द्वारा ही होगी। 8 जब उस महिला ने लोरुहामा का दूध छुड़ाया, तब उसने गर्भधारण किया और कुछ समय बाद उसके बेटा हुआ 9 तब याहवे ने कहा, इसका नाम लोअम्मी रखो; क्योंकि तुम लोग मेरे लोग नहीं हो, और न ही मैं तुम्हारा परमेश्वर रहूँगा। 10 फिर भी इस्राएली लोगों की संख्या समुद्र की बालू के समान हो जाएगी, जिन्हें नापा नहीं जा सकता। जिस जगह में उनसे यह कहा जाता था कि तुम मेरे लोग नहीं हो, उसी जगह पर वे जीवित परमेश्वर के बच्चे कहलाएँगे। 11 तब यहूदी और इस्राएली दोनों इकट्ठे होकर अपना एक मुखिया ठहराकर देश से चले आएँगे; क्योंकि यिज्रेल के दिन का बड़ा नाम होगा।

2 अपने भाईयों को अम्मी तथा अपनी बहनों को रूहामा कहो। 2 अपनी माँ से वाद-विवाद करो, क्योंकि न वह मेरी पत्नी रही और न मैं उसका पति। वह अपने चेहरे पर से अपने वेश्यापन और अपनी छातियों के बीच से व्यभिचार को हटाए। 3 ऐसा न हो कि मैं उसके कपड़े उतारकर उसकी पैदाईश के दिन की तरह नंगी कर डालूँ और उसे उजड़े हुए जंगल की तरह या रेगिस्तान की तरह करके प्यास से मार डालूँ। 4 उसके बच्चों पर भी मैं कुछ तरस न खाऊँगा, क्योंकि वे यौन व्यापार में लगी महिलाओं के बच्चे हैं। 5 उनकी माँ यौन-व्यापार में लगी रही, जिससे उन्हें गर्भ में धारण किया उसने बेशर्मी का काम किया है, क्योंकि उसने कहा, मुझे प्यार करने वालों के पीछे मैं जाऊँगी, जो मुझे खाना दे, ऊन, सन, तेल और दाखमधु देते हैं। 6 इसलिए देखो, मैं उसके रास्ते में काँटों का बाड़ा बाधूँगाऔर उसके खिलाफ दीवार खड़ी करूँगा ताकि उसे कोई रास्ता न मिले। 7 वह अपने प्रेमियों का पीछा तो करेगी लेकिन उन तक पहुँच न पाएगी। ढूंढ़ने पर भी वह उन्हें पा सकेगी। तब वह कहेगी, 'मैं अपने पहले पति के पास जाऊँगी,

क्योंकि वह समय मेरे लिए आज से बेहतर
था।' 8 क्योंकि उसे मालूम नहीं था कि मैं ही
उसे अनाज, दाखरस और तेल दिया करता
था। मैंने उसे बहुतायत से सोना चाँदी दिया
था, जिसे उन लोगों ने बाल देवता के लिए
इस्तेमाल किया। 9 इसलिए फसल कटाई
के वक्त में मैं अपना अनाज और मौसम में
दाखरस उससे ले लूँगा। मैंने जो ऊन और
सन अपने तन को ढकने के लिए उसे दिया
था, वह वापस ले लूँगा। 10 मैं उसके प्रेमियों
को देखते-देखते उसकी यौन इच्छा को प्रकट
करूँगा। और कोई उसे मेरे हाथ से बचा
न पाएगा। 11 मैं उसकी रंगरेलियों, उसके
त्यौहारों, उसके नए चाँद और सब्त के दिनों
और उसके खुशी के कार्यक्रमों को समाप्त
कर डालूँगा। 12 और मैं उसकी दाखलताओं
और अंजीर के पेड़ों को, जिनकी वह चर्चा
करती है कि यह मेरी मज़दूरी है जो मेरे प्रेमियों
ने मुझे दी है, उजाड़ कर जंगल बना दूँगा
और जंगल के जानवर उन्हें खा जाएँगे। 13 मैं
उसे उन दिनों के लिए सज़ा दूँगा, जब वह
बालदेवताओं के लिए कुर्बानी किया करती
थी और खुद को कर्णफूल और जेवरों से
सज़ाकर अपने प्रेमियों के पीछे चली जाया
करती थी जिससे वह मुझे भूल गई। यह
प्रभु का कहना है। 14 इसलिए देखो, मैं उसे
लालच दिलाकर जंगल में ले जाऊँगा, और
उससे प्यार की बातें कहूँगा। 15 तब मैं उसे
वही दाख की बारियाँ तथा आकोर की घाटी
को आशा के दरवाज़े के रूप में दूँगा। और
वहाँ वह ऐसा गाएगी जैसा अपनी जवानी
के दिनों में गाती थी अर्थात मिस्र देश में
आने के दिनों में। 16 प्रभु का कहना यह है
: उस समय ऐसा होगा कि तुम 'ईशी' कहोगी
और फिर 'बाली' न कहोगी। 17 क्योंकि मैं
उसके मुँह से बालदेवताओं के नाम समाप्त
करूँगा, जिससे नाम ले लेकर उसकी याद
फिर कभी न की जाएगी। 18 उस दिन मैं उनके
लिए जानवरों, आकाश की चिड़ियों और
पृथ्वी पर रेंगने वाले जानवरों के साथ वाचा
बान्धूँगा और मैं देश से धनुष, तलवार और
युद्ध को खतम करके सभी को बिना डर के
सोने दूँगा। 19 मैं हमेशा के लिए तुमसे विवाह
(सम्बन्ध) कर लूँगा। हाँ मैं तुम्हें इन्साफ,
ईमानदारी, और दया के साथ ब्याह लूँगा।
तब तुम याहवे प्रभु को पहचान जाओगी।
20 यह सच्चाई के साथ की जाएगी, और तुम
याहवे को जान जाओगी। 21 याहवे कहते हैं
: "उस दिन ऐसा होगा कि मैं जवाब दूँगा।
मैं आकाश को उत्तर दूँगा और वह पृथ्वी
को जवाब देगा। 22 पृथ्वी अनाज, दाखरस
और तेल को जवाब देगी और वे यिज्रेल को
जवाब देंगे। 23 तथा मैं खुद उसे अपने लिए
देश में बोऊँगा। जिस पर दया नहीं हुई है, मैं
उस पर दया करूँगा, तथा जो मेरी प्रजा नहीं,
उससे कहूँगा, "तुम मेरी प्रजा हो! और वह
कहेगी, "आप मेरे परमेश्वर हैं।"

3 तब याहवे ने मुझसे कहा, "जाकर उसी
महिला से प्रेम करो, जो अपने पति का
प्रेम पाने के बावजूद दूसरे के साथ यौन
सम्बंध रखने लगी है। जैसा इस्राएल की
औलाद जो दूसरे देवताओं की पूजा करने
लगी और किशमिश पसंद करने लगी हैं
प्रभु इसके बावजूद उनसे प्रेम करते हैं।"
2 इसलिए मैंने चाँदी के पंद्रह शेकेल और
डेढ़ होमेर जौ देकर उसे अपने लिए खरीद
लिया। 3 तब मैंने उनसे कहा, "तुम मेरे साथ
बहुत समय तक रहना और वेश्यावृत्ति मत
करना और न किसी आदमी के पास जाना।
मैं भी तुम्हारे साथ वैसा ही करूँगा। 4 क्योंकि
इस्राएली बहुत समय तक बिना राजा, या
बिना प्रधान, बिना बलि, या बिना लाठ,

और बिना एपोद या गृहदेवताओं के रहेंगे।
5 इसके बाद इस्राएली वापस आएँगे और
अपने परमेश्वर याहवे तथा अपने राजा दाऊद
को खोजेंगे और आखिरी दिनों में वे याहवे
और उनकी भलाई की ओर थरथराते हुए
आएँगे।

4 हे इस्राएलियो, प्रभु की बातें सुनो :
"इस देश के रहने वालों के खिलाफ
प्रभु का मुकद्मा है, क्योंकि इस देश में न
तो कुछ सच्चाई, न करूणा और न परमेश्वर
का ज्ञान है। 2 यहाँ शाप देना, छल, हत्या,
चोरी और व्यभिचार होता है। वे अत्याचार
करते हैं। हत्या पर हत्या की जाती है।
3 इसलिए देश दुख मना रहा है। हर एक
जो इसमें रहता है, मैदान के जानवर और
आकाश की चिड़ियों के साथ वह कमज़ोर
हो जाता है और समुद्र की सारी मछलियाँ
गायब हो जाती हैं। 4 कोई बहस न करे,
और न कोई आरोप लगाए क्योंकि तुम्हारे
लोग तो उनकी तरह हैं जो पुरोहित से बहस
करते हैं। 5 इसलिए तुम दिन-दुपहरी में ठोकर
खाओगे। और रात में तुम्हारे साथ नबी भी
ठोकर खाएगा और मैं तुम्हारी माँ को भी
बर्बाद करूँगा। 6 बलवईपन की वजह से मेरे
लोग बर्बाद हो रहे हैं। इसलिए कि तुमने ज्ञान
को तुच्छ जाना है, मैं भी तुम्हें पुरोहित होने
से इन्कार करूँगा। इसलिए कि तुम अपने
परमेश्वर के नियम-आज्ञाओं को भूल गए हो,
मैं भी तुम्हारे बाल-बच्चों, नाती पोतों को भूल
जाऊँगा। 7 जितना ज़्यादा वे बढ़ते गए, उतना
ही ज़्यादा उन्होंने मेरे खिलाफ गुनाह किया।
मैं उनकी शान को शर्मिन्दगी में बदल दूँगा।
8 मेरी प्रजा के अपराध पर उनका पोषण होता
है और ये उनके अधर्मी (दुष्ट) होने की इच्छा
रखते हैं। 9 इसलिए ऐसा होगा कि जैसी प्रजा
वैसे ही उनके पुरोहित। इसलिए उनके चरित्र
के लिए मैं उन्हें सज़ा दूँगा और उनके कामों
के मुताबिक उन्हें बदला दूँगा। 10 वे खाना
खाएँगे लेकिन संतोष नहीं होंगे। यौन व्यापार
में लगी महिला के साथ सम्बंध रखेंगे, लेकिन
बढ़ेंगे नहीं, क्योंकि उन्होंने प्रभु की ओर मन
लगाना छोड़ दिया है। 11 वेश्यागमन दाखमधु
और दाखरस समझ को नष्ट करते हैं। 12 मेरी
प्रजा के लोग लकड़ी की मूरतों से सलाह लेते
हैं। और अपनी जादुई छड़ से दिशा हासिल
करते हैं, क्योंकि वेश्यागमन की आत्मा ने
उन्हें गुमराह कर दिया है, और अपने परमेश्वर
से भटककर उन्होंने वेश्यागमन किया। 13 वे
पहाड़ों की चोटी पर बलिदान चढ़ाते हैं और
पहाड़ियों के ऊपर तथा बांज, पहाड़ी पीपल
तथा तारपीन के पेड़ों के नीचे शीतल छाँव
में धूप जलाते हैं। इसलिए तुम्हारी बेटियाँ
यौन व्यापार और तुम्हारी बहुएँ यौन सम्बंध
रखती है। 14 जब तुम्हारी बेटियाँ वेश्यावृत्ति
ओर तुम्हारी बहुएँ बुरा काम करें, तो मैं क्या
उन्हें सज़ा दूँगा; क्योंकि आदमी स्वयं यौन
व्यापार में लगी महिलाओं के पास जाते हैं
और मंदिर की देवदासियों के साथ बलिदान
चढ़ाते हैं। इस तरह जिन लोगों में समझ नहीं
वे बर्बाद हो जाते हैं। 15 हे इस्राएल, हालांकि
तुमने व्यभिचार किया है, फिर भी यहूदा के
ऊपर यह आरोप न लगे। तुमने तो गिलगाल
को और न बेत-आवेन को जाना, और न प्रभु
के नाम की कसम खाना। 16 इसलिए कि
इस्राएल ज़िद्दी कलोर की तरह है, तो अब
क्या प्रभु उसे मेमने की तरह विशाल चरागाह
में चराएँगे? 17 एप्रैम (इस्राएल) मूर्तियों का
साथी बन चुका है; उसे जाने दो। 18 दाखमधु
पी लेने के बाद वे वेश्यागमन करने तो लग
जाते हैं; उनके प्रधान को शर्मिन्दा होना पड़ता

है। 19 बवण्डर उन्हें अपने पंखो में उड़ा ले
जाएगा, और वे अपनी कुर्बानियों के कारण
शर्मिन्दा होंगे।

5 हे पुरोहितो, सुनो! हे इस्त्राएल के सारे
घराने सुनो! तुम्हारा इन्साफ किया जाता
है, क्योंकि तुम मिसपा में फन्दा, और ताबोर
पर फैलाया जाल बन गए हो। 2 विद्रोही बुराई
में लगे पड़े हैं, लेकिन मैं उन सभी को फटकार
लगाऊँगा। 3 मैं एप्रैम को जानता हूँ, और
इस्त्राएल मुझ से छिपा नहीं है; हे एप्रैम, तुमने
वेश्यावृत्ति की है, इस्त्राएल ने अपने आपको
भ्रष्ट कर डाला है। 4 उनके काम उन्हें अपने
परमेश्वर की ओर लौटने नहीं देते, क्योंकि
उनमें वेश्यावृत्ति की आत्मा है; और वे याहवे
या प्रभु को जानते नहीं। 5 इसके अलावा
इस्त्राएल का घमण्ड उसी के खिलाफ गवाही
देता है, और इस्त्राएल तथा एप्रैम अपनी
बुराई के कारण ठोकर खाते हैं। उनके साथ
यहूदा भी ठोकर खा चुका है। 6 वे अपनी
भेड़ बकरी और गाय बैल को लेकर याहवे
की मौजूदगी में जाना चाहेंगे, लेकिन उन्हें
यह आशीष न मिलेगी, वह तो उनसे दूर
हो गए हैं। 7 उन्होंने प्रभु को धोखा दिया
है क्योंकि उन्होंने गैरकानूनी सन्तान पैदा
की है। अब नया चाँद उन्हें और उनके देश
को निगल जाएगा। 8 गिबा में नरसिंगा, और
रामा में तुरही फूँको। बेत-आवेन में ललकार
कर कहो; हे बिन्यामीन, अपने पीछे देखो!
9 इन्साफ वाले दिन एप्रैम उजड़ जाएगा; जो
निश्चित है, मैंने उसी का ऐलान इस्त्राएल के
बीच करता हूँ। 10 यहूदा के प्रधान सरहद
बढ़ा लेने वालों की तरह हैं। मैं अपना गुस्सा
उन पर पानी की तरह उण्डेल दूँगा। 11 एप्रैम
दबा हुआ है, इन्साफ में कुचल दिया गया है;
क्योंकि उसने इन्सान की आज्ञा मानने का
इरादा किया। 12 इसलिए मैं एप्रैम के लिए
कीड़े और यहूदा के घराने के लिए सड़ाहट
की तरह हूँ। 13 जब एप्रैम ने अपनी बीमारी
और यहूदा ने अपना जख्म देख लिया, तो
अप्रैम अश्शूर के पास गया, हाँ यारेब राजा
के पास उसने दूत भेजा। लेकिन न तो वह
तुम्हें अच्छा कर सकता है न ही जख्म ठीक
कर सकता है। 14 क्योंकि मैं एप्रैम के लिए
शेर और यहूदा के घराने के लिए जवान शेर
बनूँगा। मैं हाँ, मैं ही टुकड़े-टुकड़े करके चल
पड़ूँगा। मैं उठा ले जाऊँगा और कोई छुड़ा न
पाएगा। 15 जब तक वे अपना अपराध न मानें
और मेरी चाहत न रखें, उस समय तक के
लिए मैं चला जाऊँगा और अपनी जगह को
लौटूँगा। वे परेशानी में पड़ेंगे, तो मुझे लगन
से चाहेंगे।

6 “आओ, हम प्रभु के पास वापस चलें,
क्योंकि उन्हीं ने फाड़ा तो है वही हमें
स्वस्थ करेंगे। उन्होंने हमें ज़ख्मी तो किया,
लेकिन वही पट्टी बान्धेंगे। 2 दो दिन के बाद
वह हमें नई ताकत देंगे वरन तीसरे दिन
हमें उठा खड़ा करेंगे, कि हम उनके सामने
ज़िन्दा रहें। 3 आओ, याहवे के ज्ञान की
तलाश करें। उसका मिलना भोर की तरह
पक्का है। वह बरसात की तरह हाँ वसन्त
की बरसात की तरह जो पृथ्वी को सींचती
है, हमें मिलेगा। 4 हे एप्रैम, मैं तुझ से क्या
करूँ? हे यहूदा? मैं तुझ से क्या करूँ?
तुम्हारी निष्ठा सुबह के कोहरे की तरह, हाँ,
ओस की तरह है जो सुबह बहुत ज़ल्दी
उड़ जाती है। 5 इसलिए मैंने उन्हें नबियों के
द्वारा फाड़ डाला, अपने मुँह के शब्द से
मारा है। बिजली की तरह इन्साफ तुम पर
आ चुका है। 6 क्योंकि मैं कुर्बानी से नहीं,
लेकिन विश्वासयोग्यता से, और होमबलि से
नहीं लेकिन इससे खुश होता हूँ कि लोग
परमेश्वर का ज्ञान रखें। 7 लेकिन आदम की

तरह उन्होंने वाचा को तोड़ा है। ऐसा करके
उन्होंने मेरे साथ दगाबाज़ी की है। 8 गिलाद
में बेकार काम करने वाले लोग रहते हैं,
उस पर खून के निशान बने है। 9 जिस तरह
लुटेरे किसी की तलाश में बैठते हैं, उसी
तरह पुरोहितों का दल शखेम के रास्ते में
हत्या करता है, इसमें कोई शक नहीं, कि
उन्होंने भयंकर बुराई की है। 10 इस्राएल के
घराने में मैंने एक बहुत खतरनाक बात देखी
है। वहाँ एप्रैम की वेश्यावृत्ति है, इस्राएल ने
अपने आपको बर्बाद कर डाला है। 11 और
हे यहूदा, तुम्हें इसका बदला ज़रूर दिया
जाएगा।

7 जब मैं अपनी प्रजा को गुलामी से
वापस लाना चाहता हूँ, और जब जब
मैं इस्राएल को स्वस्थ करना चाहता हूँ,
एप्रैम के अनुचित काम और सामरिया के
दुष्ट काम सामने आ जाते हैं; क्योंकि वे चोरी
चालाकी से काम करते हैं, अन्दर चोर जाता
है और डाकुओं का झुण्ड हमला बोलता
है। 2 वे अपने मन में इतना ख्याल भी नहीं
करते कि उनकी सारी बुराई मुझे याद है।
उनके काम चारों ओर हैं और वे मेरे सामने
बने रहते हैं। 3 अपनी कुटिलता से वे राजा
को अपने झूठ से प्रधानों को खुश करते
हैं। 4 वे सभी व्यभिचारी हैं। वे उस तन्दूर
की तरह जलते रहते हैं, जो आटा गूँधने से
लेकर उसके खमीर हो जाने तक रसोईये द्वारा
धधकाया नहीं जाता। 5 हमारे राजा के जलसे
के दिन प्रधान लोग भी शराब से मतवाले
हो गए। उसने बेइज़्ज़ती करनेवालों के साथ
हाथ मिलाए। 6 क्योंकि उनके मन तन्दूर की
तरह हैं - षड़यंत्र रचते-रचते उनका गुस्सा
रात भर उनमें सुलगता रहता और सुबह को
लौ के साथ भड़क जाता है। 7 वे सभी तन्दूर
की तरह तप रहे हैं, और अपने ही प्रधानों
को भस्म कर डालते हैं। उनके सभी राजा
मारे जा चुके हैं। कोई मेरी दोहाई नहीं दे रहा
है। 8 एप्रैम तमाम देशों के लोगों से मिल जुल
गया है। एप्रैम ऐसी चपाती ठहरा है जो उलटी
नहीं गई। 9 परदेशी उसकी ताकत निगल गए,
लेकिन उसे मालूम ही नहीं। उसके बाल
भी पकने लगे, लेकिन उसे इस बात का
ज्ञान नहीं। 10 इस्राएल का घमण्ड उसी के
खिलाफ गवाही दे रहा है; लेकिन इन सभी
बातों के रहते हुए भी न तो वे अपने परमेश्वर
की ओर मुड़े और न ही उनके लिए लगन हुई।
11 इसलिए एप्रैम के लोग भोली कबुतरी की
तरह नासमझ है। उनकी निगाहें कभी मिस्र
की ओर और कभी अश्शूर की ओर जाती
है। 12 जब ऐसा हो, तब मैं अपना जाल उन
पर फैलाऊँगा; मैं उन्हें आकाश की चिड़ियों
की तरह नीचे खींच लूँगा। जैसा उनकी सभा
सुन चुकी है, मैं उन्हें ताड़ना दूँगा। 13 उन पर
हाय, क्योंकि वे मुझसे भटक गए हैं! वे बर्बाद
हो जाएँ, क्योंकि उन्होंने मेरे खिलाफ बलवा
किया है! यदि मैं चाहता तो उन्हें छुड़ा लेता,
लेकिन वे मेरे विरूद्ध झूठ बकते हैं। 14 मन
से वे मुझे पुकारते नहीं, लेकिन अपने बिछौने
पर रोते हैं। अनाज और दाखरस के लिए वे
भीड़ लगाते हैं, लेकिन मुझसे मुँह मोड़ लेते
हैं। 15 हालांकि मैंने उन्हें सिखाया और उनके
हाथ मज़बूत किए, फिर भी वे मेरे विरूद्ध
बुराई की योजना बनाते हैं। 16 वे फिरते तो
हैं, परंतु परमप्रधान की ओर नहीं। वे धोखा
देने वाले धनुष की तरह हैं; इसलिये उनके
प्रधान अपनी जीभ की कुटिलता के कारण
तलवार से मारे जाएँगे। मिस्र देश में उनकी
हँसी का यही कारण होगा।

8 अपने मुँह से तुरही लगाओ। याहवे
के घराने पर दुश्मन ऊकाब की तरह
झपटता है, क्योंकि उसके लोगों ने मेरी

वाचा तोड़ा है और मेरे नियमों-आज्ञाओं
के खिलाफ बलवा किया है। 2 वे मुझसे
ज़ोर ज़ोर से चिल्लाकर कहते हैं, 'हे हमारे
परमेश्वर, हम इस्त्राएली आपको जानते हैं।'
3 इस्राएल तो भलाई ठुकरा चुका है, दुश्मन
उसका पीछा करेगा। 4 उन्होंने राजाओं को
पद पर ठहराया, मैंने नहीं। उन्होंने प्रधानों को
ठहराया, पर मुझे उसका ज्ञान नहीं था। अपने
चाँदी और सोने से उन्होंने अपनी बर्बादी
के लिए मूर्तियाँ बनाई। 5 हे सामरिया तुम्हारे
बछड़े को यह कहकर उसने अपनाने से
इन्कार किया है, कि उन पर मेरा गुस्सा
भड़क चुका है। कब तक वे पवित्रता से परे
रहेंगे? 6 अब इस्त्राएल से यह भी निकला
है! इसे एक कारीगर ने उसे बनाया, इसलिए
यह परमेश्वर नहीं है। इसमें कोई शक नहीं
कि सामरिया के बछड़े के टुकड़े टुकड़े कर
दिए जाएँगे। 7 वे हवा बोते हैं, और बवण्डर
काटते हैं। उनकी फसल के डंठलों में बालें
नहीं है, उनमें से कुछ अनाज भी नहीं मिलता।
यदि अनाज मिल भी जाए, तौभी विदेशी
उसे निगल जाएँगे। 8 इस्त्राएल को निगला
जा चुका है। अब उन्हें दूसरे देशों के बीच
बेकार बर्तन समझा गया है। 9 वे जंगली गदहे
की तरह अकेले अश्शूर के पास गए। एप्रैम
ने कीमत देकर प्रेमियों को मोल ले लिया
है। चाहे वे मज़दूरी दे देकर दूसरे देशों में
से दोस्त बना लें, फिर भी अब मैं उन्हें
बटोर लूँगा। 10 चाहे वे मज़दूरी दे देकर दूसरे
देशों में से दोस्त बना ले, फिर भी मैं वापस
ले आऊँगा। राजाओं के राजा के बोझ के
कारण अब वे धीरे धीरे घटने जाएँगे। 11 एप्रैम
ने अपराधबलि के लिए बहुत सी वेदियाँ
बनाईं, लेकिन वे उसके लिए गुनाह करने की
वेदियाँ ठहरी। 12 हालांकि मैंने उनके लिये
हज़ारों नियम-आज्ञाएँ रखी है उन्हें अज़ीब
बातें समझी जाती है। 13 वे मेरे लिये कुर्बानी
चढ़ाते हैं, और पशुबलि करके गोश्त खाते
हैं, लेकिन इसमें प्रभु को खुशी नहीं होती
है। अब वह उनके अनुचित कामों को याद
करेंगे और सज़ा देंगे। वे मिस्त्र में लौट जाएँगे।
14 क्योंकि इस्त्राएल ने अपने रचयिता को
भूलकर महल बनाए, और यहूदा ने गढ़वाले
अनेक नगर बनाए हैं, लेकिन मैं उनके नगरों
में आग भेजूँगा जो उनके महलो को भस्म कर
देगी।

9 हे इस्राएल, दूसरे देशों की तरह, खुश
मत हो! क्योंकि तुम अपने परमेश्वर को
छोड़कर यौन व्यापार करने वाली महिला
बनी। हर खलिहान में तुम वेश्यावृत्ति में
मगन रही। 2 खलिहान और रस कुण्ड उनका
पोषण नहीं करेंगे, दाखरस उनके लिए कम
हो जाएगा। 3 वे याहवे के देश में रहने न रह
सकेंगे; लेकिन एप्रैम मिस्त्र को लौट जाएगा।
उसके लोग अश्शूर में खराब खाना खाएँगे।
4 वे प्रभु के लिये दाखमधु का अर्घ नहीं
उण्डेलेंगे, उसका बलिदान प्रभु को प्रसन्न
न कर पाएँगे, लोग उनकी रोटियाँ शोक
करने वालों की रोटियाँ ठहरेंगी - उसे खाने
वाले अशुद्ध हो जाएँगे; क्योंकि उनकी रोटी
केवल उन्हीं की भूख मिटाएगी, वह प्रभु के
घर में न पहुँचेगी। 5 ठहराए त्यौहार के दिन
और प्रभु के जश्न के दिन तुम क्या करोगे?
6 क्योंकि देखो, वे बर्बादी की वजह से चले
जाएँगे, मिस्त्र उनकी लाशों को इकट्ठा करेगा
और मोफिस उन्हें दफनाएगा। बिच्छु पौधे
उनकी चाँदी की कीमती वस्तुओं को ढांक
लेगे, और उनके तम्बुओं में कंटीली झाड़िया
उगेगी। 7 सज़ा का समय आ चुका है, बदले
का समय आ गया है - इस्त्राएल यह जान ले।
इसलिए कि तुम्हारे अनुचित काम तो बहुत
और तुम्हारी दुश्मनी ज़्यादा है, नबी बेवकूफ

और आत्मा प्रेरित इन्सान को पागल कहते
हैं। 8 नबी मेरे परमेश्वर की ओर से एप्रैम का
पहरुआ है; फिर भी उसके सभी रास्तों में
बहेलिए का जाल है और उसके परमेश्वर के
घर में उसे दुश्मनी ही मिलती है। 9 जैसा कि
गिबा के समय में हुआ था, वे बहुत भ्रष्ट हो
गए हैं। वह उनके नाजायज कामों पर गौर
करेंगे और नियमों-आज्ञाओं के खिलाफ जाने
वालों को सज़ा देंगे। 10 जिस तरह से किसी
को जंगल में अंगूर मिल जाता है, वैसे ही
मुझे इस्त्राएल मिल गया। मैंने तुम्हारे पूर्वजों
पर ऐसे निगाह की, जैसे मौसम में अंजीर
के सबसे पहले फल पर, लेकिन वे बालपोर
के पास जाकर उस शर्मनाक वस्तु के लिए
समर्पित हो गए। वे जिस वस्तु पर मोहित हो
गए थे, उसी के समान घिनौने हो गए। 11 एप्रैम
की शान चिड़िया की तरह उड़ जाएगी, न
कोई पैदा होगा, न गर्भपात होगा और न ही
गर्भ धारण होगा। 12 चाहे वे अपने बच्चों का
पाल-पोसकर बड़ा भी कर ले, फिर भी मैं
हर एक को उनसे वंचित करूँगा। हाँ, उन
पर सचमुच में हाय, जब मैं उनके पास से
चला जाऊँ। 13 एप्रैम जैसा कि मैंने देखा है,
सूर की तरह हरे भरे मैदान में रोपा गया है,
लेकिन एप्रैम अपनी सन्तान वध होने के लिए
देगा। 14 हे याहवे, उन्हें दे भी तो क्या दें?
आप उन्हें गर्भपात करने वाले गर्म और सूखे
स्तन दें। 15 उनकी सारी बुराई गिलगाल में है;
वही तो मैं उनसे नफरत करने लगा। उनके
गलत कामों के कारण मैं उन्हें अपने घर से
बाहर कर दूँगा। मैं उनसे प्यार करूँगा। उनके
सभी शासक बलवा करने वाले हैं। 16 एप्रैम
के लोगों की पिटाई हुई है। उनकी जड़ सूख
चुकी है, उनमें फल न लगेगा। चाहे उनके
बच्चे भी हों, मैं उनके प्यारे बच्चों की जान ले
लूँगा। 17 मेरे परमेश्वर उन्हें निकाल फेकेंगे,
क्योंकि उन्होंने उनकी बात पर गौर न किया।
वे तमाम देशों में मारे-मारे फिरेंगे।

10 इस्त्राएल एक लहलहाती हुई
दाखलता है, उसमें फल लगते हैं।
जितने ज़्यादा उसमें फल लगते हैं, उतनी
ही अधिक उसकी वेदियाँ बनीं। उतनी ही
अच्छी उसकी लाटें बनीं। 2 उनका मन
दगाबाज़ है; उन्हें अपने कुकर्मों की सज़ा
मिलेगी। याहवे उनकी वेदियों को गिरा देंगे
और लाटों को बर्बाद करेंगे। 3 वे ज़रूर
कहेंगे, 'हमारा कोई राजा नहीं, क्योंकि हम
प्रभु को इज्ज़त नहीं देते। राजा हमारे लिया
क्या करेगा? 4 वे केवल बकबक करते हैं,
वे झूठी कसम खाते हैं और वाचा बान्धते
हैं। अब खेत की रेघारियों में ज़हरीले धतूरे
की सज़ा फूले फलेगी। 5 सामरिया के
रहनेवाले बेत-आवेन के बछड़े के लिये
डरेंगे। वरन उसके निवासी उसके लिये
दुख मनाएँगे और उसके मूर्तिपूजक पुजारी
उसकी इज्ज़त के लिए रोएँगे, क्योंकि वह
जा चुकी है। 6 वह यारेब राजा की भेंट
के लिये अश्शूर ले जाया जाएगा। एप्रैम
शर्मिन्दा होगा, और इस्राएल अपनी योजना
से शर्मिन्दा होगा। 7 पानी पर पड़े तिनके
की तरह, सामरिया अपने राजा सहित
बर्बाद किया जाएगा। 8 आवेन के ऊँचे
स्थान भी जो इस्राएल का अपराध है, नष्ट
किए जाएँगे। उनकी वेदियों पर काँटे और
ऊँटकटारे उगेंगे।' उन दिनों लोग पहाड़ों से
कहेंगे, "हम पर गिर पड़ो।" 9 हे इस्राएल, तू
गिबा के दिनों से अपराध करते आए है। ये
लोग उसी में बने रहे हैं। क्या गिबा में बुरे
इन्सान जंग में नहीं फँसे? 10 जब मैं चाहूँगा
मैं इन्हें ताड़ना दूँगा और जब वे अपने दुगुने
गुनाह के लिए सज़ा पाएँगे, तब देश देश के
लोग इनके खिलाफ इकट्ठे होंगे। 11 एप्रैम

ऐसी बछिया है, जो सिखायी गई है। वह
दांवना पसन्द करती है लेकिन मैं उसकी
खूबसूरत गर्दन पर जुआ रखूँगा। एप्रैम को
मैं जोतूँगा। यहूदा हल और याकूब हेंगा
खींचेगा। 12 अपने लिये धार्मिकता बोओ,
और करूणा की फसल काटो। अपनी
पड़ती ज़मीन को जोतो; क्योंकि वक्त आ
पहुँचा है कि तुम प्रभु के लिए भूखे-प्यासे हो
जाओ, ताकि तुम पर धार्मिकता की बरसात
करे। 13 तुमने बुराई बोई और अधर्म की
फसल काटी। तुम्हें झूठ का नतीजा मिला
है। तुमने अपने तरीकों और अपने बहुत से
फौजियों पर भरोसा रखा है। 14 इसलिए
तुम्हारे लोगों में हुल्लड़ मच जाएगा और
तुम्हारे किले ऐसे बर्बाद किये जाएँगे, जैसे
बेत-अर्बेल को बर्बाद किया था। उस समय
माताएँ अपने बच्चों सहित पटककर टुकड़े
टुकड़े करी गईं। 15 तुम्हारी बड़ी बुराई की
वजह से बेत-एल में तुम्हारे साथ ऐसा ही
किया जाएगा। सुबह होते ही इस्त्राएल का
राजा पूरी तरह से मिटाया जाएगा।

11 जब इस्त्राएल लड़का ही था, मैंने
उससे प्रेम किया, और मैंने अपने
बेटे को मिस्त्र से बुलाया। 2 मैंने उन्हें जितना
अधिक बुलाया ,उतना ही वे और दूर होते
जाते। वे बाल देवताओं के लिये कुर्बानी
करते, और मूर्तियों के लिये धूप जलाते रहे।
3 मैंने ही एप्रैम को चलाना सिखाया। मैं उन्हें
गोद में लिया करता था; लेकिन वे लोग ये
नहीं जान पाए कि उन्हें बीमारी से मुक्त करने
वाला मैं हूँ। 4 उन्हें इन्सान जानकर अपनी
डोरी से अर्थात प्रेम के बन्धन में ले जाता था।
उनके लिए मैं गर्दन से जूआ उठाने वाला था
और मैं झुककर उन्हें चारा दिया करता था।
5 वे लोग वापस मिस्र देश को नहीं जाएँगे,
लेकिन असीरिया उनका राजा होगा, क्योंकि
उन्होंने मेरी ओर मुड़ने से इनकार किया
है। 6 तलवार उनके नगरों में चलेगी, और
उनके फाटकों के बेड़ों को काट डालेगी,
और उनकी योजनाओं के कारण उन्हें निगल
जाएगी। 7 मेरी प्रजा के लोग मुझ से मुड़
जाने के लिए ज़िद करते हैं। हालांकि उन्हें
प्रभु परमप्रधान की ओर बुलाया जाता है,
फिर भी कोई उनकी बड़ाई नहीं करता। 8 हे
एप्रैम, मैं तुझे कैसे छोड़ सकता हूँ? मैं तुम्हें
और किसी को कैसे सुपुर्द कर दूँ? मैं कैसे
तुम्हें अदमा की तरह करूँ और सबोयीम की
तरह बनाऊँ? मेरा मन मेरे अन्दर व्याकुल
है, मेरी ममता जग गई। 9 मैं अपने खतरनाक
गुस्से को भड़कने न दूँगा। मैं एप्रैम को बर्बाद
करूँगा क्योंकि मैं परमेश्वर हूँ, इन्सान नहीं।
हाँ, तुम्हारे बीच निवास करता हूँ, मैं पवित्र
हूँ। मैं बुरे मकसद से नहीं आऊँगा। 10 वे
प्रभु की मानकर वैसा ही करेंगे। वह शेर
की तरह गरजेंगे; हाँ वह गरजेंगे और उनके
वंशज पश्चिम से काँपते हुए आएँगे। 11 वे
मिस्र से चिड़ियों की तरह और अश्शूर से
पण्डुकों की तरह काँपते हुए आएँगे। उनके
अपने घरों में मैं उन्हें बसा दूँगा; यह प्रभु का
कहना है। 12 एप्रैम ने झूठ से और इस्त्राएल
के घराने ने छल से मुझे घेर लिया है। यहूदा
भी अविश्वासयोग्य अर्थात पवित्र परमेश्वर के
प्रति बलवई है।

12 एप्रैम हवा से भूख मिटाता है और
बार-बार पुरवाई का पीछा करता
है। वह झूठ और हिंसा को बढ़ाता है। इसके
अलावा वह अश्शूर से वाचा बान्धता है
और मिस्त्र तक तेल पहुँचाता है। 2 प्रभु का
एक आरोप यहूदा पर भी है। वह याकूब
को उसके बर्ताव के मुताबिक सज़ा देते हैं।
उसके कामों के अनुसार ही सज़ा मिलेगी।
3 गर्भ में उसने अपने भाई की एड़ी पकड़ी

और बड़े होने पर वह परमेश्वर के साथ
लड़ा। 4 हाँ, वह उसने स्वर्गदूत से लड़ाई
की और जीत भी गया। उसने रो रोकर
उससे कृपा चाही। बेत-एल में उसको प्रभु
मिला और वहीं उसने हमसे बातें की। 5 हाँ,
सेनाओं का परमेश्वर ने हमसे बातें की। उनका
नाम याहवे है। 6 इसलिये अपने परमेश्वर के
पास लौट आओ, रहम और इन्साफ की
ज़िन्दगी जिओ। अपने परमेश्वर की ओर मन
लगाए रहो। 7 व्यापारी के हाथ में छल का
तराजू है; उसे अन्धेर करना अच्छा लगता
है। 8 एप्रैम ने कहा, 'मैं अमीर हो चुका हूँ,
मैंने दौलत इकट्ठी कर ली है। मेरी सारी
मेहनत में ऐसा कुछ नाजायज़ नहीं पाया जो
गुनाह कहलाए।' 9 लेकिन मैं मिस्त्र देश ही
से तुम्हारा परमेश्वर रहा हूँ, वैसे ही मैं तुम्हें
फिर से तम्बुओं में बसाऊँगा। 10 मैंने नबियों
से बातें की है और उन्हें तमाम दर्शन दिए
तथा दृष्टान्त भी। 11 क्या गिलाद में अधर्म
है? उसके लोग निकम्मे हैं। गिलगाल में बैल
की कुर्बानी चढ़ाते हैं। हाँ, उनकी वेदियाँ
खेत की हल-रेखाओं के पास पाए जाने वाले
पत्थरों के ढेरों की तरह हैं। 12 याकूब सीरिया
देश को भाग निकला, हाँ, इस्त्राएल ने पत्नी
हासिल करने के लिये मेहनत की, यहाँ तक
कि पत्नी प्राप्त करने के लिए ही भेड़ों को
चराया। 13 याहवे एक नबी के द्वारा इस्त्राएल
को मिस्त्र से निकाल लाए और नबी द्वारा
उनकी सुरक्षा हुई। 14 एप्रैम ने बहुत गुस्सा
भड़काया है, इसलिये प्रभु उसके खून का
दोष उसी के ऊपर मढ़ देंगे। और उसके द्वारा
की गई बदनामी उसी के सिर पर लौटा देंगे।

13 जब एप्रैम बोलता था, तब लोग
काँप करते थे। वह इस्त्राएल में बड़ा
था; लेकिन बाल देवता के कारण अपराधी
हो गया, और मर भी गया। 2 लेकिन वे लोग
सीमाओं को लाँघते रहते हैं। वे अपने लिए
ढली हुई मूरतें बनाते हैं। ये सभी कारीगरों
की कारीगरी है। इनके बारे में वे कहते हैं,
"कुर्बानी चढ़ाने वाला इन्सान इन बछड़ों को
चूमें। 3 इसलिए वे सुबह के कुहरे, जल्दी
समाप्त होने वाली ओस, खलिहान के उड़ाए
जाने वाली भूसे, तथा कट्ठे से निकलने वाले
धूएँ की तरह ठहरेंगे। 4 फिर भी मिस्त्र देश
के समय से मैं तुम्हारा परमेश्वर याहवे हूँ,
तुम मुझे छोड़ किसी और को परमेश्वर मत
मानना क्योंकि मुझे छोड़ कोई छुड़ानेवाला
नहीं। 5 मैं सूखे प्रदेश या मरुस्थल में तुम्हारी
देखरेख करता रहा। 6 खाने को मिलने पर
वे सन्तुष्ट हो गए। तृप्त होने पर उनका मन
घमण्ड से भर गया; इस कारण वे मुझे भूल
गए। 7 इसलिए मैं उनके लिये शेर की तरह
ठहरूँगा, चीते के समान रास्ते में उनके मार
डालने की ताक में रहूँगा। 8 बच्ची छीनी हुई
भालू की तरह मैं उन टूट पड़ूँगा, मैं उनके
सीने को फाड़ डालूँगा। शेर की तरह मैं उन्हें
वहीं निगल लूँगा। जंगली जानवर उन्हें फाड़
डालेगा। 9 हे इस्राएल, यह तुम्हारी बर्बादी का
कारण है, कि तुम मेरे अर्थात् अपने सहायक
के विरोधी हो। 10 अब तुम्हारा राजा कहाँ
है कि तुम्हारे सभी नगरों में तुम्हें बचाए?
तुम्हारे जज लोग कहाँ है, जिनसे तुमने कहा
कि मेरे लिये राजा और शासक ठहराए?
11 मैंने अपने गुस्से में तुम्हें राजा दिया और
झंझलाहट में उसे हटा भी दिया। 12 एप्रैम
की बुराई गठरी में बंधी है, उसका अपराध
खाते में अंकित है। 13 उसको पैदा करने के
लिए प्रसव का दर्द उठ चुका है, लेकिन वह
बुद्धिमान बेटा नहीं है। वह तो समय हो जाने
के बावजूद पैदा होने में देरी लगाता है। 14 मैं
उन्हें अधोलोक के हाथ से छुड़ा लूँगा। हे
मौत तुम्हारी मारने की ताकत कहाँ गई? हे

अधोलोक तुम्हाराडंक कहाँ है? मेरी निगाह
से करूणा गायब हो चुकी है। 15 चाहे वह
अपने भाइयों से दौलतमन्द हो जाए, फिर
भी पुरवाई चलेगी, प्रभु की आँधी मरुस्थल
से चलेगी और उसका कुण्ड सूख जाएगा।
उसके खज़ाने में से सारी कीमती चीजें वह
लूट ले जाएगा। 16 अपने परमेश्वर से बलवा
करने वाले की वजह से सामरिया अपराधी
ठहरेगा। उसके लोग तलवार से मारे जाएँगे।
उनके बच्चे पटककर टुकड़े टुकड़े किए
जाएँगे और उनकी गर्भवती महिलाएँ चीर
डाली जाएँगी।

14 हे इस्राएल, अपने परमेश्वर के पास
वापस लौट आओ, क्योंकि तुमने
अपने गलत कामों के कारण ठोकर खाई
है। 2 प्रभु के पास वापस आकर उनसे बातें
करो। उनसे कहो, सभी अपराधों को दूर
करें और कृपा करके हमें अपना लें, कि
हम अपने होठों से बड़ाई करें। 3 अश्शूर
हमें बचा नहीं सकेगा। हम घोड़ों पर नहीं
सवार होंगे। और न फिर कभी अपने हाथ
की कारीगरी को अपना ईश्वर कहेंगे, क्योंकि
आप ही में अनाथ को दया मिलती है। 4 मैं
उनके भटक जाने की आदत को दूर करूँगा।
मैं खुलकर उनसे प्यार करूँगा, मेरा गुस्सा
उन पर से उतर चुका है। 5 मैं इस्त्राएल के
लिए ओस की तरह ठहरूँगा। वह सोसन
की तरह फलेगा। वह लबानोन के देवदार
की तरह ठहरेगा। 6 उसकी डालियाँ फूट
निकलेंगी। उसकी खूबसूरती जैतून पेड़ की
तरह और उसकी खुशबू लबानोन के देवदारों
के समान होगी। 7 जो उसकी छाया में रहते
हैं, वे लौटेंगे। वे अनाज की तरह बढ़ेंगे
तथा दाखलता के समान फूले फलेंगे। उसकी
कीर्ति लबानोन के दाखमधु की सी होगी।
8 हे एप्रैम, मूर्तियों से मेरा क्या नाता? तुम्हारी
पुकार सुनकर तुम्हारी देखरेख करनेवाला मैं
ही हूँ। मैं सदाबहार सनौवर के पेड़ की तरह
हूँ। मुझ से तुम्हें फल मिलते हैं। 9 जो बुद्धिमान
हो, वही इन बातों को समझे, जो समझदार
हो, वह इन बातों को जाने। प्रभु के रास्ते
सीधे हैं। विश्वासी उनमें चलते रहेंगे, लेकिन
अविश्वासी उनमें ठोकर खाकर गिर पड़ेंगे।

DUSTY SANDALS
All Rights Reserved. www.dustysandals.com